# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -26 | मार्च - II - 2024 | अंक - 24 | माउण्ट आबू | Rs.-12


# समाज कल्याण हेतु श्रेष्ठ मुहिम के लिए संस्थान को साधुवाद : मुख्यमंत्री

## राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में 'स्वर्णिम राजस्थान' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल

- ब्रह्माकुमारीज़ ने स्वास्थ्य, शिक्षा, समृद्धि और संस्कृति के उत्कर्ष के लिए मुहिम छेड़ी है : मुख्यमंत्री
- ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से लगाई गई राजऋषि ग्राम प्रदर्शनी (गोकुल गांव, जल जन अभियान और श्री अन्न) का किया शुभारंभ
- शांतिवन में आयोजित भारतीय मजदूर संघ के 25वें वार्षिक अधिवेशन में भी हुए शामिल

**शांतिवन।** माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित 'स्वर्णिम राजस्थान' कार्यक्रम में शिरकत की। डायमण्ड हॉल में सभा को सम्बोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा यहां कई बार आना हुआ है। यहां आकर मुझे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। मन को शांति का अनुभव होता है। ब्रह्माकुमारीज़ जैसी आध्यात्मिक संस्थाएं आगे आकर ग्रीन एनर्जी, यौगिक खेती, जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। ऐसी संस्थाओं के काम करने से निश्चित रूप से हमारा देश आगे बढ़ेगा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा, समृद्धि, संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए मुहिम छेड़ी है। श्री अन्न को कैसे बचाया जा सकता है उसके लिए संस्था ने अभियान शुरु किया है। जल जन अभियान तथा नशा मुक्त अभियान के द्वारा समाज कल्याण के कार्यों के लिए संस्थान को साधुवाद। कार्यक्रम में विशेष रूप से मंत्री ओटाराम देवासी, ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने सम्बोधन में मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी को जीवन के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई देते हुए कहा कि उस समय में जब संघर्ष भी रहा होगा, तब इतना बड़ा संगठन खड़ा करना और यहां तक लेकर आना बड़ी बात है। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ के जयपुर सबज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने राजयोग का अभ्यास कराया। बीकानेर की ब्र.कु. कमल दीदी ने विचारों का महत्व विषय पर प्रकाश डाला। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संचालन शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका बहन एवं वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सुधीर भाई ने किया।

### मुख्यमंत्री ने संस्थान द्वारा आयोजित राजऋषि ग्राम प्रदर्शनी का किया उद्‌घाटन, कहा... आज इसकी ही ज़रूरत

उद्‌घाटन पश्चात् राजऋषि ग्राम प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा, मंत्री ओटाराम देवासी व अन्य।

संस्थान द्वारा लगाई गई राजऋषि ग्राम प्रदर्शनी(गोकुल गांव-सर्वांगीण विकास अभियान, जल जन अभियान और श्रीअन्न मिलेट्स अभियान प्रदर्शनी) का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुभारंभ कर अवलोकन किया और इसकी सराहना की।

- इस मौके पर मेडिकल विंग द्वारा वर्ष 2023-24 में की गई सेवाओं की सेवा रिपोर्ट माननीय मुख्यमंत्री को भेंट की गई।

मेडिकल विंग द्वारा वार्षिक सेवाओं की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को देते हुए विंग के सचिव डॉ. ब्र.कु. बनारसी लाल शाह। साथ हैं ब्र.कु. मुन्नी दीदी, ब्र.कु. मृत्युंजय भाई व ब्र.कु. प्रकाश भाई।

### अन्य वक्ताओं ने कहा...

- स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान के ब्रांड एम्बेसेडर एवं वन संरक्षण, महिला सशक्तिकरण में देशभर में ऐतिहासिक कार्य करने वाले जयपुर जिले की ग्राम पंचायत जाहोटा के सरपंच श्याम प्रताप राठौर ने कहा कि आज हमारा गांव जाहोटा देशभर में महिला सशक्तिरण के लिए जाना जाता है। हमने अपनी पंचायत में 23 हज़ार पेड़ लगाए हैं। 108 जल-संरक्षण के लिए तालाब, बांध आदि बनाए हैं।
- पुणे से आईं ग्रीन एनर्जी फाउंडेशन की फाउंडर शर्मिला ओसवाल ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से हम राजस्थान को मिलेट्स के क्षेत्र में एक्सपोर्ट का हब बना सकते हैं।
- ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और कहा कि आशा है कि आपके नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा। देश की समृद्धि और विकास में प्रदेश मॉडल बनेगा।

# ब्र.कु. गंगाधर 'सूर्यदत्त जीवनगौरव पुरस्कार' से सम्मानित

**पुणे-महा.।** सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स की 26वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) के अवसर पर सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, बावधन में 'सूर्यदत्त जीवनगौरव (लाइफटाइम अचीवमेंट) और सूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार' वितरण समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ ओमशान्ति मीडिया के संपादक डॉ. ब्र.कु. गंगाधर को मीडिया द्वारा समाजिक व आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अहिंसा विश्वभारती के संस्थापक आचार्य डॉ. लोकेश मुनिजी के हाथों 'सूर्यदत्त जीवनगौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, वरिष्ठ अभिनेता राजा मुराद, एमआईटी के डीन प्रो. डॉ. शरदचंद्र दराड़े, वरिष्ठ उद्यमी विठ्ठलशेठ मनियार, सूर्यदत्त के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजय बी. चोरड़िया, सूर्यदत्त की उपाध्यक्ष सुषमा चोरड़िया, प्रा. मंदार दिवाने, सलाहकार समिति के सदस्य जीवराज चोले आदि उपस्थित रहे। श्री राम जन्मभूमि न्यास,अयोध्या के कोषाध्यक्ष पूज्य स्वामी श्री गोविंददेव गिरि महाराज को 'सूर्यरत्न-द सेंट ऑफ मॉडर्न इंडिया' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए संगीतकार अनु मलिक, भारतीय शास्त्रीय संगीतकार उस्ताद तौफीक कुरेशी, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी के साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क के महानिदेशक डॉ. राजेंद्र जगदाले, लेफ्टिनेंट जनरल अशोक आंबरे, वाइस एडमिरल सतीश घोरमड़े, आध्यात्मिक गुरु गौर गोपालदास सहित अनेक व्यक्तियों को 'सूर्यदत्त जीवनगौरव पुरस्कार' व 'सूर्यदत्त राष्ट्रीय पुरस्कार' से सन्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सभी को ईश्वरीय संदेश दिया गया। ब्र.कु.शारदा, डॉ. ब्र.कु.सुवर्णा, ब्र.कु. त्रिवेणी व डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके इस मौके पर मौजूद रहे।

### मणिपुर इंटरनेशनल विश्वविद्यालय की ओर से...

# शांतिवन के विशाल डायमण्ड हॉल में राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी को 'डॉक्टरेट' की उपाधि से नवाज़ा गया

**शांतिवन।** ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में ब्रह्माकुमारीज़ दिल्ली हरिनगर सबज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी को मणिपुर इंटरनेशनल विश्वविद्यालय द्वारा 'डॉक्टरेट' की उपाधि प्रदान करते हुए कुलपति डॉ. हरिकुमार ने कहा कि आज आपको यह उपाधि देते हुए हम अत्यंत गर्व का अनुभव कर रहे हैं। आपके मार्गदर्शन में हज़ारों लोग व्यसन, बुराई छोड़कर अध्यात्म और राजयोग के मार्ग पर चल रहे हैं। जीवन पर्यंत आपके द्वारा की गई मानवता की सेवा और आध्यात्मिक जागृति के कार्यों को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से नवाज़ा जा रहा है।

### 1956 में पहली बार बाबा से मिलीं

बता दें कि राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी का जन्म 1936 में अमृतसर में हुआ। 18 वर्ष की आयु में 1954 में संस्था के संपर्क में आईं। 1956 में संस्थापक ब्रह्मा बाबा और प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती(मम्मा) के अमृतसर आगमन पर पहली बार मिलना हुआ और तभी आपने ईश्वरीय सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प कर लिया। आपके मार्गदर्शन में दिल्ली और हरियाणा में 130 से अधिक सेवाकेंद्र, उपसेवाकेंद्र, एक हज़ार से अधिक ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला संचालित हैं। 500 से अधिक ब्र.कु. भाई-बहनें समर्पित रूप से सेवा प्रदान कर रहे हैं।